मैं अतिथि हूं

निदेशक - डॉ.बी.सी. जैन

नियमावली

- आपको एक घर दिखाया जाएगा, जिसमें चार सदस्य होंगे।
- उन चार में से तीन उसी घर के मूल निवासी हैं तथा एक अतिथि है।
- आपको उस अतिथि को पहचानना है और साथ में यह भी बताना है कि वो किस घर से है एवं यह घर किसका है।

मैं अतिथि हूं

आदिनाथ

भरत

धर्मनाथ

महावीर

मैं अतिथि हूं

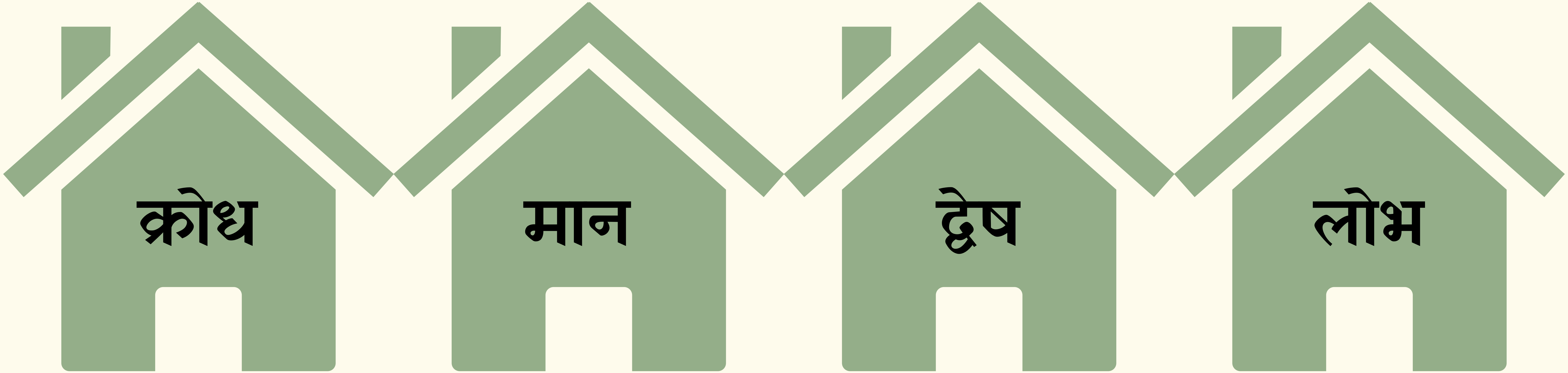

मैं अतिथि हूं

सम्मेदशिखर

चंपापुर

पावापुर

कुण्डलपुर

मैं अतिथि हूं

त्रसकाय

अग्निकाय

वायुकाय

जलकाय

मैं अतिथि हूं

बहिरात्मा | धर्मात्मा | अंतरात्मा | परमात्मा

जैन पाठशाला
॥ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः॥
JAIN PATHSHALA

मैं अतिथि हूं

अनंतानुबंधी

प्रत्याख्यान

यथाख्यात

संज्वलन

मैं अतिथि हूं

दौलतरामजी

बनारसीदासजी

आशाधरजी

जयसेनजी

मैं अतिथि हूं

अरनाथ

मल्लिनाथ

कुंथुनाथ

शान्तिनाथ

मैं अतिथि हूं

देशना

वांचना

पृच्छना

अनुप्रेक्षा

मैं अतिथि हूं

ज्ञानवरण

दर्शनावरण

वेदनीय

अंतराय

मैं अतिथि हूं

पुष्पमाला

चंवर

दिव्यध्वनि

भामण्डल

मैं अतिथि हूं

सूक्ष्मत्व

प्रदेशत्व

अनंतवीर्य

अवगाहनत्व

मैं अतिथि हूं

पद्म

कृष्ण

शुक्ल

हरित

मैं अतिथि हूं

आनन्दी

उद्योगी

विरोधी

संकल्पी

मैं अतिथि हूं

जम्बूस्वामी

गौतमस्वामी

सुधर्मस्वामी

उमास्वामी

मैं अतिथि हूं

8 36 18 25

मैं अतिथि हूं

प्रायश्चित

विनय

कायक्लेश

ध्यान

मैं अतिथि हूं

समयसार

नियमसार

लब्धिसार

प्रवचनसार

उत्तरमालिका

1. भरत 2. द्वेष
3. कुण्डलपुर 4. त्रसकाय
5. धर्मात्मा 6. यथाख्यात
7.जयसेनजी 8.मल्लिनाथ
9. देशना

10. वेदनीय 11. पुष्पमाला
12. प्रदेशत्व 13. हरित
14. आनन्दी 15. उमास्वामी
16. 18 17. कायक्लेश
18. लब्धिसार

जय जिनेन्द्र

www.jainpathshalajaipur.com

Youtube: Jain Pathshala Jaipur

E-mail: jainpathshalajaipur@gmail.com

Phone : 0141-3567401, 8619804009, 8955872717

विशेष सहयोग- समकित शास्त्री - 9057185893